**BHDE-106/EHD-06**

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम
# (बी.डी.पी.)

## सत्रीय कार्य
## (जुलाई 2015 एवं जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

## हिंदी भाषा : इतिहास और वर्तमान
## पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.ई–106 / ई.एच.डी–06
## हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

# हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
# सत्रीय कार्य (2015–16)

**पाठ्यक्रम : बी.डी.पी/बी.एच.डी.ई–106/ई.एच.डी–06/टी.एम.ए/2015–16**

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

**उद्देश्य :** शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

**सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :**

| | | |
|---|---|---|
| जुलाई 2015 सत्र के लिए | : | **31 मार्च 2016** |
| जनवरी 2016 सत्र के लिए | : | **30 सितंबर 2016** |

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्न हैं जिनमें दिए गए शीर्षक पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखनी है।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

**नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।**

# हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
# हिंदी भाषा : इतिहास और वर्तमान
# सत्रीय कार्य (2015–16)

**पाठ्यक्रम : बी.डी.पी/बी.एच.डी.ई–106/ई.एच.डी–06**
**सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.ई–106/ई.एच.डी–06/टी.एम.ए/2015–16**
**पूर्णांक:100**

## खंड–क

**(क) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए: 15x4=60**

1. हिंदी भाषा के विकास का ऐतिहासिक संदर्भ स्पष्ट कीजिए।
2. हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिए।
3. हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और प्रावधानों की चर्चा कीजिए।
4. भाषा शिक्षण सामग्री की निर्माण प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

## खंड–ख

**(ख) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए: 10x3=30**

1. भारोपीय परिवार का वर्गीकरण करते हुए इस भाषा परिवार की विशेषताएँ बताइए।
2. हिंदी भाषा की प्रमुख बोलियों का उल्लेख करते हुए बताइए कि क्या वास्तव में ये बोलियाँ हैं या इनका स्वतंत्र अस्तित्व भी है?
3. शिक्षा के क्षेत्र में माध्यम के रूप में हिंदी की स्थिति पर विचार कीजिए।

## खंड–ग

**(ग) निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणी लिखिए: 5x2=10**

1. संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
2. विदेशों में हिंदी